<table>
<tr><td colspan="2">

पद : प्रबंधक (नियामक मामले) **पद कोड :** MII-MR-02

कुल पद : 1 (एक)

अवधि : मेक इन इंडिया के लिए जैव प्रौद्योगिकी उद्योग सुविधा प्रकोष्ठ कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा बाइरैक में की गई है। यह पद पूर्णतः अस्थायी (अनुबंध आधारित) है और परियोजना की समाप्ति के साथ समाप्त किया जा सकता है। परियोजना की वर्तमान अवधि सितंबर, 2026 तक है।

समेकित पारिश्रमिक : योग्यता एवं अनुभव के आधार पर प्रति माह एकमुश्त राशि 90,000/- रु. से 2,70,000/- रु. के बीच निश्चित की जाएगी।

कार्य विवरण : चयनित व्यक्ति आईसीसी गतिविधियों के निष्पादन एवं कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होंगे। डीबीटी, डीपीआईआईटी, इन्वेस्ट इंडिया, आदि सहित अंतर-मंत्रालयी सहभागिता के माध्यम से उद्योग/निवेशकों से निवेश योग्य परियोजनाओं हेतु विनियामक समर्थन की सुविधा प्रदान करना। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली के विकास में भाग लेना।

कार्यात्मक उद्देश्य: जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए औद्योगिक अनुपालन एवं नियामक मंजूरी को सुव्यवस्थित करना।

रिपोर्टिंग : चयनित व्यक्ति मिशन निदेशक - एमआईआई को रिपोर्ट करेंगे।

</td></tr>
<tr><td>

मुख्य उत्तरदायित्व :

- जैव प्रौद्योगिकी, बायो-मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचों का विश्लेषण करना।
- उद्योग हितधारकों एवं राष्ट्रीय नियामक निकायों (सीडीएससीओ, एफएसएसएआई, आदि) के बीच उच्च-स्तरीय इंटरफेस को सुविधाजनक बनाना
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन मानकों पर स्टार्ट-अप को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना।
- बायोटेक स्टार्ट-अप और उद्यमों के लिए नियामक अनुमोदन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए निवेश मंजूरी प्रकोष्ठ हेतु रणनीतिक इनपुट प्रदान करना।
- वाणिज्यिकरण में तेजी लाने के लिए व्यवस्थित नियामक बाधाओं की पहचान करना और उनका समाधान करना।

</td><td>

अनिवार्य योग्यता : जीवन विज्ञान /जैव प्रौद्योगिकी/फार्मा/प्रबंधन/स्वास्थ्य नवाचार/सार्वजनिक नीति या किसी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री।

वांछनीय योग्यता : उपरोक्त क्षेत्र में से किसी एक में पीएचडी।

अनुभव : नियामक मामलों में न्यूनतम 3 वर्ष के अनुभव के साथ योग्यता पश्चात 6-8 वर्ष का अनुभव।

आयु सीमा : रिक्ति की अंतिम तिथि को अधिकतम 38 वर्ष।

</td></tr>
</table>